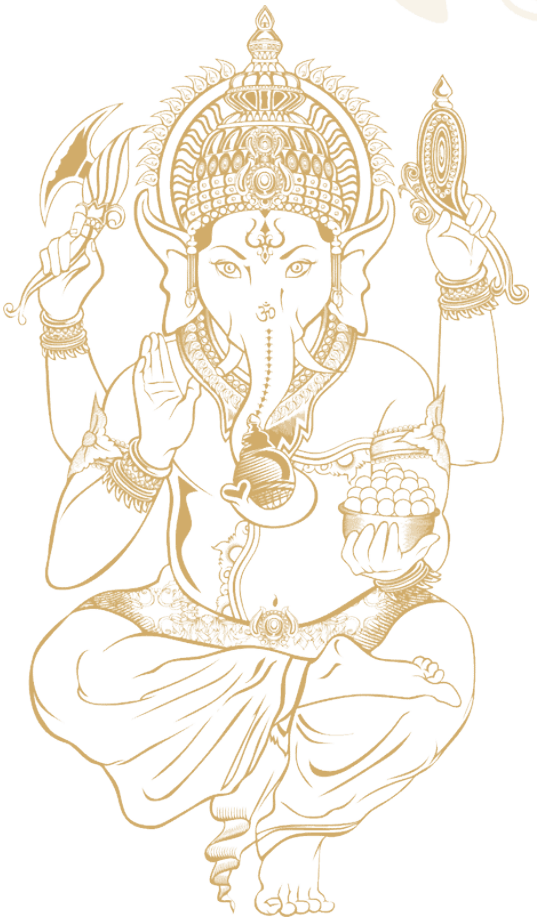

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121881002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/07/1995	जन्म तिथि	28/03/1993
शनिवार	दिन	रविवार
घंटे 08:49:00	जन्म समय	22:45:00 घंटे
घटी 08:10:09	जन्म समय(घटी)	41:18:25 घटी
India	देश	India
Agra	स्थान	Hathras
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	27:36:00 उत्तर
78:00:00 पूर्व	रेखांश	78:02:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:00	स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:56	सूर्योदय	06:13:22
19:14:31	सूर्यास्त	18:33:03
23:47:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:02

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 0वर्ष 7मा 23दि	09:50:15	सिंह	लग्न	वृश्चि	09:41:18	चन्द्र 6वर्ष 4मा 18दि
गुरु	28:24:11	मिथु	सूर्य	मीन	14:16:12	गुरु
08/03/2014	05:26:06	कुंभ	चंद्र	वृष	14:49:21	15/08/2024
08/03/2030	02:33:18	कन्या	मंगल	मिथु	23:24:45	15/08/2040
गुरु 25/04/2016	14:03:09	मिथु	बुध	कुंभ	18:13:07	गुरु 03/10/2026
शनि 06/11/2018	12:15:26	वृश्चि व	गुरु व	कन्या	16:15:40	शनि 16/04/2029
बुध 11/02/2021	18:16:33	मिथु	शुक्र व	मीन	20:26:07	बुध 23/07/2031
केतु 18/01/2022	00:53:25	मीन व	शनि	कुंभ	02:30:44	केतु 27/06/2032
शुक्र 18/09/2024	08:03:03	तुला व	राहु व	वृश्चि	20:34:07	शुक्र 26/02/2035
सूर्य 07/07/2025	08:03:03	मेष व	केतु व	वृष	20:34:07	सूर्य 16/12/2035
चन्द्र 06/11/2026	04:57:41	मक व	हर्ष	धनु	28:04:41	चन्द्र 16/04/2037
मंगल 13/10/2027	00:25:16	मक व	नेप	धनु	27:12:37	मंगल 23/03/2038
राहु 08/03/2030	04:10:52	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	01:30:05	राहु 15/08/2040

लग्न-चलित

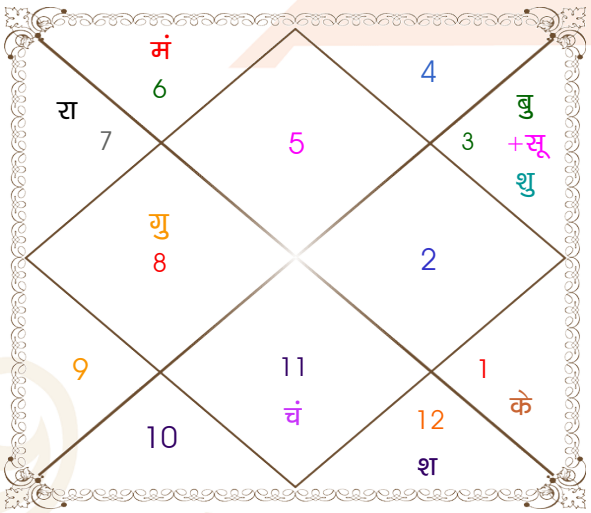

लग्न-चलित

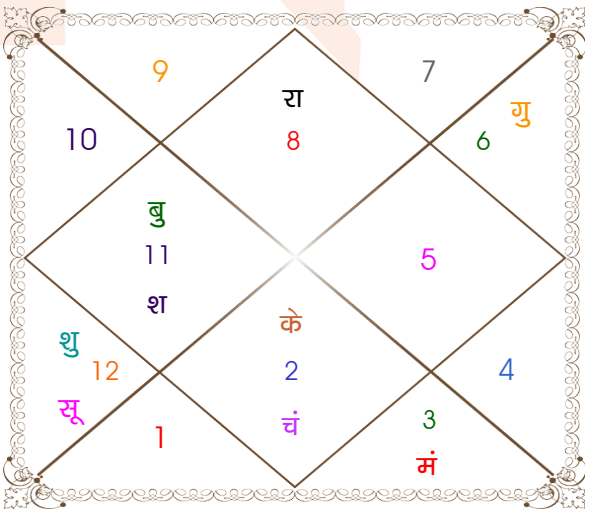

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।